उत्तम जीवन की खोज

अनन्त यात्रा की तैयारी में
आपकी सहायता के लिए एक
नया नियम संलग्न

पाठक के नाम पत्र

आपके हाथ में यह पुस्तक इसलिए है क्योंकि मसीही लोग चाहते हैं कि आप मसीह के सुसमाचार को जानें और उसका उत्तर दें। हमारी मुलाकात आपसे चाहे कभी न हुई हो, फिर भी हम चाहते हैं कि आप मसीह में हमारे भाई अथवा बहन बन जाएं और हमारे साथ स्वर्ग जाएं।

इस पुस्तक को ध्यान से पढ़ें, इसकी हर बात की तुलना पवित्र बाइबल से करें। इस पुस्तक के साथ आपको बाइबल का नया नियम संलग्न मिलेगा। एक मसीही के लिए धर्मसार बाइबल ही होनी चाहिए, जो कि परमेश्वर का वचन है।

आप यह न सोचें कि इस पुस्तक का पहला भाग स्वर्ग से है या यह पवित्र बाइबल का एक भाग है। यह तो एक मार्गदर्शक है, जो आपको वे शिक्षाएं सिखाने के लिए सहायक है, जो हमारे सृष्टिकर्ता ने अपनी बाइबल के पुराने और नये नियमों में अपने आत्मा की प्रेरणा से दी हैं। कभी भी मनुष्य की लिखी किसी भी पुस्तक को पवित्र बाइबल की ईश्वरीय रचना का स्थान न दें, परन्तु हमें आशा है कि इस पुस्तक के प्रथम भाग के संदेश, पवित्र शास्त्र के अध्ययन में और उसको मानकर उत्तम जीवन की खोज में आपकी सहायता करेंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमने आपको सत्य बताया है, आप इस पुस्तक के प्रथम जाग की तुलना बाइबल के नये नियम के साथ कीजिए।

इस पृथ्वी पर सबसे महत्वपूर्ण निर्णय परमेश्वर और उसके पुत्र यीशु मसीह के साथ सीधाई से चलना है। उद्धार, जैसे कि बाइबल बताती है, का अर्थ पापों की क्षमा पाकर सर्वशक्तिमान परमेश्वर की संगति में आना और अनन्त जीवन पाना है। उद्धार पाए हुए लोगों को यह आशीष है कि उन्हें बहुतायत का जीवन अब और उसके पश्चात स्वर्ग में पुरस्कार मिलेगा। इस पृथ्वी पर हर व्यक्ति का सबसे बड़ा उद्देश्य

परमेश्वर प्रदत्त उद्धार पाना और उसमें जीवन व्यतीत करना है। बाइबल कहती है, ''यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे, और अपने प्राण की हानि उठाए, तो उसे क्या लाभ होगा? या मनुष्य अपने प्राण के बदले में क्या देगा?'' (मत्ती 16:26)। परिवार, भोजन, कपड़े, मकान और शिक्षा ज़रूरी हैं; परन्तु, हमें मिल सकने वाली उन आशिषों में से सबसे अमूल्य आशीष हमारे प्राणों का उद्धार है।

एक बार फिर, आपसे हमारा आग्रह है कि इस पुस्तक को ध्यान से पढ़ें, इसकी हर बात को बाइबल की शिक्षा से मिलाएं। आपकी हिन्दी की बाइबल में आयतें इटैलिक्स में नहीं मिलेंगी। परन्तु इस पुस्तक में कहीं-कहीं, किसी विशेष बात पर ज़ोर देने के लिए कुछ शब्द आपको इटैलिक किए हुए मिलेंगे। जब आपको समझ आ जाए कि एक मसीही कैसे बनना है तो शीघ्र ही बनने की कोशिश करें। सुसमाचार को मानकर मसीही जीवन जीना शुरू कर दें, जिसकी रूपरेखा इस पुस्तक में दी गई है और नये नियम में स्पष्ट सिखाया गया है ।

दूसरों के बारे में सोचना न भूलें। इस पुस्तक को पढ़ने के बाद दूसरों के साथ भी इसे साझा करें ताकि वे इसे पढ़ सकें और उन्हें पता चल सके कि उत्तम जीवन पाने के लिए एक मसीही कैसे बनना है। हम चाहते हैं कि जितने भी लोग हों, वे उस जीवन को पा लें और स्वर्ग में जाएं और जितने भी लोग इस पुस्तक को पढ़ें, इससे उन्हें उद्धार के मार्ग की शिक्षा मिले। आपका उद्देश्य केवल एक मसीही बनना ही नहीं है बल्कि यह देखना भी है कि दूसरे लोग बाइबल अध्ययन के साथ इस पुस्तक को पढ़ें। इस प्रकार वे सीख पाएंगे कि परमेश्वर की संतान बनकर उसकी सेवा कैसे करनी है।

ट्रुथ फ़ॉर टुडे वर्ल्ड मिशन स्कूल की ओर से आपको नया जीवन मुबारक और हम इस आशा के साथ प्रार्थना करते हैं कि आपसे एक दिन स्वर्ग में मिलेंगे।

उत्तम जीवन की खोज

उत्तम जीवन की खोज

संलग्न
नया नियम

ट्रुथ फ़ॉर टुडे
वर्ल्ड मिशन स्कूल

© 2002 Truth for Today World Mission School

All rights reserved. Written permission must be secured from the publisher to reproduce any part of this book in any form, except for brief quotations.

ISBN 0-9717446-1-0

लेखक – एडी क्लोअर, निक हैमिल्टन, माइक नैपियर, ओवन औलब्रिट और डेविड रोपर।
अनुवादक – अरनस्ट गिल

पुस्तक में दिए गए सभी हवाले और नया नियम बाइबल सोसायटी ऑफ़ इण्डिया द्वारा उपलब्ध हिन्दी बाइबल के पुराने अनुवाद (O.V.) से लिए गए हैं।

समर्पण

उन सभी भले लोगों को, जो नये नियम की
शिक्षाओं को मान कर सच्चे और जीवते
परमेश्वर की सेवा करना चाहते हैं

''और सत्य को जानोगे, और सत्य तु हें
स्वतन्त्र करेगा'' (यूहन्ना 8:32)।

''ये लोग तो थिस्सलुनीके के यहूदियों से भले थे
और उन्होंने बड़ी लालसा से वचन ग्रहण किया,
और प्रतिदिन पवित्र शास्त्रों में ढूंढते रहे कि ये
बातें यों ही हैं कि नहीं'' (प्रेरितों 17:11)।

विषय सूची

1.	क्या सर्वशक्तिमान परमेश्वर का अस्तित्व है ?	1
2.	पवित्र बाइबल, परमेश्वर का वचन	13
3.	परमेश्वर पिता कौन है ?	25
4.	यीशु, परमेश्वर का पुत्र	42
5.	पवित्र आत्मा कौन है ?	48
6.	परमेश्वर मनुष्य बना	57
7.	यीशु को हम कैसे देखें ?	65
8.	यीशु पृथ्वी पर क्यों आया ?	76
9.	क्रूस और कलीसिया	86
10.	''कलीसिया'' क्या है ?	97
11.	अब तक की बताई जाने वाली सर्वश्रेष्ठ कहानी से आगे	106
12.	नये नियम की कलीसिया	125
13.	परमेश्वर के लोगों के लिए विशेष शब्द	137
14.	कलीसिया के लिए ईश्वरीय पदनाम	151
15.	मसीह, कलीसिया का सिर	162
16.	कलीसिया में प्रवेश करना	169
17.	कलीसिया की एकता	178
18.	अनन्त पुरस्कार और दण्ड	187
19.	मन फिराव	200
20.	आप यीशु के साथ क्या करेंगे ?	213
	अध्ययन के प्रश्नों के उत्तर	230
	सत्य के वचन को ठीक रीति से काम में लाने हेतु अध्ययन के लिए सहायता	247
	नये नियम में शब्द ''कलीसिया'' और ''कलीसियाएं/ओं''	253
	नये नियम में शब्द ''राज्य''	256
	नया नियम	